

## विश्रुति

### उद्देश्यों:

- युवा लड़कियों के बीच आत्म जागरूकता पैदा करना।
- उपलब्ध दिशा और अवसरों को अनुकूलित करने और समझने के लिए।
- आत्मविश्वास पैदा करना।
- भविष्य के लिए तैयार करने में सक्षम होने के लिए।
- सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण और विकास करना।
- किशोर लड़कियों को बदलते परिवेश से जुड़ने और किसी के विकास के लिए आवश्यक दिशा और अवसरों को समझने में मदद करना।
- जिम्मेदारी की भावना प्राप्त करना।
- किशोरियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना।
- बदलते समय का सामना करने में उन्हें उपयुक्त बनाने के लिए।

### कारण (क्यों):

किशोरावस्था के संक्रमणकालीन चरण में जब बच्चे अपने स्वयं के साथ संघर्ष का सामना करते हैं और माता-पिता, शिक्षकों और समाज की अपेक्षा का सामना करते हैं, तो वे तनाव, चिंता, कमजोर मानसिक स्वास्थ्य और तनाव विकसित करते हैं। स्कूल किशोरियों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण की गतिशीलता से अवगत कराने और एक स्वस्थ व्यक्तित्व के रूप में विकसित होने के लिए आवश्यक इनपुट प्रदान करने के लिए सही शुरुआत के रास्ते हैं।

### EFFOLRTS:

दिल्ली क्षेत्र के 18 केन्द्रीय विद्यालय अर्थात केवी प्रगति विहार / जेएनयू / जनकपुरी / सेक्टर 2 आरके पुरम (पहली और दूसरी पाली) / सेक्टर 4 आरके पुरम / सेक्टर 8 आरके पुरम (पहली और दूसरी पाली) / सेक्टर 5 द्वारका (पहली और दूसरी पाली) / सेक्टर 12 द्वारका / तुगलकाबाद (पहली और दूसरी पाली) / नंबर 2 दिल्ली कैंट (पहली और दूसरी शिफ्ट) / नंबर 4 दिल्ली कैंट / मस्जिद मोठ / गोल मार्केट (पहली और दूसरी शिफ्ट) की पहचान की गई और कक्षा छठी की छात्राओं की पहचान की गई। VII और VIII को नौ प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया था, जिसका उद्देश्य आत्म-विकास के नए ज्ञान को पेश करके आत्मविश्वास पैदा करना था, जिससे उन्हें अपनी जीती हुई प्रगति का नकशा बनाने में भी सक्षम बनाया जा सके। इन मॉड्यूल पर ध्यान केंद्रित किया

- कैरियर मानसिकता निर्माण
- आत्म जागरूकता - स्वयं की खोज
- सेल्फ मैनेजमेंट – जीने की राह
- स्व स्वास्थ्य, स्वच्छता, भोजन और फिटनेस पर काम करना
- जिम्मेदार स्वतंत्रता
- पैसे और गृह अर्थशास्त्र की मूल बातें
- Google तरीके से सीखना - प्रौद्योगिकी से मित्रता करना
- संचार अभिव्यक्ति - परिवर्तन के साधन
- कला प्रशंसा और पढ़ने की आदतें

प्रत्येक मॉड्यूल स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया - शिक्षण पद्धति, जीवन कौशल उन गतिविधियों को आत्मसात करता है जिनके माध्यम से उद्देश्यों को प्राप्त किया जाना था। भारत के महान विचारकों और विद्वानों की जीवन शैली और योगदान को शामिल किया गया।

कुल सं. 3809 छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया।

### गतिविधियाँ:

- रोल प्ले
- प्रदर्शनी - पेंटिंग, कलाकृतियां, निबंध, परियोजनाएं, चार्ट
- पोस्टर बनाना
- नवरस व्यक्त करना
- नारा लेखन
- योग और व्यायाम करना
- कचरे से सर्वश्रेष्ठ बनाना
- कविता लेखन
- दीवार पत्रिकाएं
- क्ले मॉडलिंग
- छात्रों द्वारा कार्रवाई अभियान - स्कूल की सफाई और सजावट पर।

### परिणाम:

- लड़कियां परियोजना के बारे में उत्साहित थीं।
- उन्होंने सभी सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया और खुद को अधिक आत्मविश्वास से व्यक्त करने में सक्षम थे।
- उन्होंने माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक के बाद उनके लिए उपलब्ध कैरियर विकल्पों की धारणा में वृद्धि की थी।
- वे अपने और अपने माता-पिता के डर और विषयों पर संदेह के बारे में बिना किसी अवरोध के बोलने में सक्षम थे - व्यक्तिगत और साथ ही साथ उनके करियर से संबंधित।
- वे अधिक आत्म-अनुशासित और आत्मविश्वासी बन गए।
- उन्होंने जिम्मेदार स्वतंत्रता की भावना विकसित की।
- उन्होंने पैसे के प्रबंधन के महत्व और तरीकों को समझा।